A-348

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

MASL–503

भारतीय दर्शन भाग–01

MA SANSKRIT (MASL)

1st Semester Examination, 2024 (June)

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट : – यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

नोट : – खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. विशिष्टाद्वैत दर्शन के आधार पर तत्वत्रय का विश्लेषण कीजिए।
2. सांख्यकारिका के प्रयोजन एवं स्वरूप का विवेचन कीजिए।
3. सांख्यकारिका में वर्णित पच्चीस तत्वों के स्वरूप पर प्रकाश डालिये।

4. आवरण और विक्षेप शक्ति की समीक्षा कीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** श्लोकों की व्याख्या कीजिए :

(क) जननमरणकरणानां प्रतिनियमादयुगपत्प्रवृत्तेश्च
पुरूष बहुत्वं सिद्धं त्रैगुण्यविपर्ययाच्चौव ॥

(ख) अखण्डं सच्चिदानन्दमवाङ्मनसगोचरम्।
आत्मानमखिलाधारमाश्रयेऽभीष्टसिद्धये ॥

(ग) त्रिगुणमविवेकि विषय:सामान्यमचेतनं प्रसवधर्मि।
व्यक्तं तथा प्रधानं तद्विपरीतस्तथा च पुमान् ॥

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट : – खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. निम्बार्क के अनुसार द्वैताद्वैत को स्पष्ट कीजिए।
2. मध्व के अनुसार द्वैताद्वैत को स्पष्ट कीजिए।
3. मध्व के अनुसार पंचविध भेदों का विवेचन कीजिए।
4. विशिष्टाद्वैत दर्शन पर एक निबन्ध लिखिए।
5. बन्धन तथा मोक्ष से क्या तात्पर्य है ?
6. प्रकृति पुरुष सम्बन्ध और सृष्टि प्रक्रिया का विवेचन कीजिए।
7. सांख्य के अनुसार जगत् की सृष्टि का विकास–क्रम बताइए।
8. अनुबन्ध चतुष्टय को समझाइये।

****